का समझौता कराया है जो समझौता बंगलादेश से भी बड़ा ऐतिहासिक समझौता है जिसके कारण श्री लंका में अमेरिकी या किसी विदेशी ताकत का बेस नहीं बन सकता लेकिन पाकिस्तान में अमेरिका अपना बेस बनाने के लिए कई तरीके, उपाय कर रहा है। पाकिस्तान ने हिन्दुस्तान पर तीन बार हमला किया है। पाकिस्तान एटम बम भी बना रहा है। आज भी हिन्दुस्तान को अगर सबसे बड़ा खतरा है तो पाकिस्तान से है। हिन्दुस्तान से चीन का समझौता हो सकता है मगर पाकिस्तान क्योंकि नफरत के पेट से पैदा हुआ है इसलिए नफरत के माध्यम से वह हिन्दुस्तान से टकराव चाहता है ऐसी हालत में हिन्दुस्तान की सरकार को अपनी सुरक्षा के लिए पाकिस्तान से भी ज्यादा तैयारी करनी चाहिए और हमारे हर मामले में पाकिस्तान के पास जितनी शक्ति है उससे दस गुना शक्ति हर समय हिन्दुस्तान के पास जमा रहनी चाहिए क्योंकि पाकिस्तान के लोगों के ऊपर कभी भी विश्वास नहीं किया जा सकता। चाहे कोई समझौता हम करें हम पाकिस्तान पर एक मिनट के लिए भी विश्वास नहीं कर सकते। मैं सरकार से निवेदन करता हूं कि हिन्दुस्तान की सरकार पाकिस्तान द्वारा अपनाई जा रही अटोमिक हथियारों की नीति को मद्देनजर रखते हुए अपने देश की सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था करे और भारत सरकार को मजबूत बनाने के लिए जितने भी उपाय किये जा सकते हैं किये जाने चाहिए।

मैं भारत की संसद के माध्यम से भूतपूर्व प्रधान मंत्री इन्दिरा गांधी को देश की करोड़ों जनता के साथ धन्यवाद देना चाहता हुं कि उनकी रहनुमाई में देश की सेना आधुनिक बनी और श्री राजीव गांधी के नेतृत्व में हमारी सरकार अपनी सुरक्षा के लिए ऐसे उपाय करेगी, ठोस एवं समयबद्ध कदम उठायेगी ताकि भारत एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में खड़ा होकर अपनी सीमाओं की रक्षा कर सके।

Delay in the Allotment of Land for construction of a Hospital in Western Rajasthan

श्री भंवर लाल पवार : (राजस्थान) : आपकी अनुमति से इस विशेष उल्लेख के पूर्व मैं सर्व प्रथम राजस्थान सरकार को बधाई देना चाहूंगा कि माननीय प्रधान मंत्री जी के नये बीस सूत्री कार्यक्रम के क्रियान्वयन में भारतवर्ष के अन्य प्रान्तों की तुलना में राजस्थान ने एक कीर्तिमान कायम किया है।

इस विशेष उल्लेख के माध्यम से सरकार, शहरी विकास मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा कि प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर सरकार के साथ जन समस्याओं के निवारण के लिए निजी संस्थाएं, स्वयं सेवी संस्थाएं आगे आने लगी है एवं सक्रिय सहयोग दे रही हैं।

राजस्थान के दूसरे नंबर के सबसे बड़े नगर एवं पश्चिम राजस्थान के सबसे बड़े नगर जोधपुर में एक चेरीटेबल होस्पीटल ट्रस्ट ने "जोधपुर होस्पीटल एवं रिसर्च सेंटर' के नाम से जन स्वास्थ्य सेवा दिनांक 4-5-84 को प्रारंभ की। प्रारंभ में 20 पलंग का अस्पताल शुरु किया। यह प्रयास नो प्रोफिट नो लास के आधार पर कार्य कर रहा है एवं 10 प्रतिशत पलंग गरीब एवं दलित वर्ग के लिए निशुल्क निर्धारित किये हुए हैं एवं इस प्रकार गरीब जनता की सेवा कर रहा है। अच्छी एवं सस्ती सेवा के कारण इस अस्पताल पर भारी संख्या में मरीजों का भार है और वर्तमान भवन को तीन मंजिला बना कर 60 पलंग का बना दिया परन्तु अभी मरीजों का भारी दबाव है।

यह प्रन्यास 200 पलंग का अस्पताल बनाने का इच्छुक है। इसके प्रन्यासी विदेशों में स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में विशेषज्ञता हासिल कर एवं मस्कर में धन उर्पाजन कर फारेन एक्सचेंज भारत में लाकर गरीब जनता को स्वास्थ्य सेवायें उपलब्ध करा रहे हैं। यह प्रन्यास गत दो

[श्री भंवर लाल पवार]

वर्षों से अस्पताल भवन को बढ़ाने के उद्देश्य से भूमि आबंटन के लिए प्रयत्नशील है।

राजस्थान सरकार द्वारा निर्णय नहीं लेने के कारण मार्च, 1986 में प्रन्यास ने प्रधानमंत्री जी, स्वास्थ्य मंत्री जी, शहरी विकास मंत्री जी भारत सरकार का ध्यान आकर्षित किया। जिस पर केन्द्रीय मंत्रीगण द्वारा ध्यान आकर्षित करने पर राजस्थान सरकार में कुछ गतिशीलता आई। अप्रैल 1986 में नगर सुधार न्यास ने भूमि आबंटन करने का प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजा। परंतु कागजों का उल्टा पलटा होता रहा और सितंबर / अक्तूबर 1986 में निश्चित रुप से भूमि का निश्चय कर दर का उल्लेख कर पुन: राज्य सरकार को भमि का आबंटन करने के लिए लिख दिया गया है।

इस भरोसे में कि भूमि का आबंटन हो जाएगा, प्रन्यास ने लगभग 11 करोड़ की कीमत के लेटेस्ट मेडिकल इक्वीपमेंटस विदेशों से खरीद कर मंगवा ली है एवं अस्पताल भवन की कमी के कारण स्टोर में डम्प किये हुए पड़े हैं। इस संस्था का प्रयास है कि पश्चिमी राजस्थान की गरीब जनता को जोधपुर ; ही हर प्रकार के इलाज की सुविधा प्राप्त हो जाये। लेकिन भूमि का आबंटन राजस्थान सरकार द्वारा नहीं किये जाने के कारण यह सेवा उपलब्ध नहीं हो पा रही है। अगर पश्चिमी राजस्थान की गरीब जनता को यह सुविधा जोधपुर में ही मुहय्या हो जाय तो उनको बंबई के जसलोक या दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार का एवं स्वास्थय मंत्रालय का ध्यान इस ओर आकर्षित करता हूं कि वह राजस्थान सरकार को निर्देश दें के इस भूमिका शीघ्र से शीघ्र आबंटन हो ताकि पश्चिमी राजस्थान की गरीब जनता को स्वास्थय का लाभ मिल सके।

—

Completion of Twenty-Five Years in Prison by Mr. Nelson Mandela

श्री पशुपति नाथ सुकुल (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदया, मैं मानवता के नाम पर एक अत्यन्त महत्वपूर्ण विषय की ओर इस सदन का इस सरकार और इस महान देश के निवासियों का और विश्व के समस्त मानवता प्रेमियों का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। कल अर्थात 5 अगस्त, 1987 को दक्षिण अफ्रीका के जुझारू अश्वेत नेता श्री नेलशन मंडेला को जेल में रहते हुए 25 वर्ष पूरे हो गये। अपने देशवासियों अपने अश्वेत भाइयों के स्वतंत्रता संग्राम मे भाग लेने के कारण श्री नेलशन मंडेल को 5 अगस्त, 1962 को कैद किया गया था। शुरु में उनको पांच वर्ष की सजा दी गई। लेकिन बाद में सन 1964 में उनकी सरकार ने सशस्त्र क्रांति के द्वारा सरकार का तख्ता उलटने का आरोप लगाकर उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी और तब से श्री मंडेला जेल में है। श्री मंडेला मानव द्वारा मानव के शोषण का अप्रतिम उदाहरण है। आततायी अल्प-संख्यक सरकार के विरुद्ध सशस्त्र क्रांति करना, हो सकता है कि किन्हीं लोगों की दृष्टि में उचित न रहा हो, जो अहिंसावादी है, शायद उनकी दृष्टि से उचित न हो, लेकिन जहां तक उनकी भावना का प्रश्न है, जैसे हमारे देश के क्रांतिकारी हुए है, वहां के क्रांतिकारी भी पूजनीय है।

उपसभापति महोदया, जेल में 25 वर्ष पूरे करने के उपलक्ष्य में मैं श्री नेलशन मंडेला का अभिनन्दन करता हूं और उन्हें उनकी सिद्धांतप्रियता, उनके देशप्रेम, अपने अफ्रीकी भाइयों और उन पर उनकी महान निष्ठा के लिए हार्दिक बधाई देता हूं। साथ-साथ अपनी सरकार तथा विश्व की समस्त लोकतांत्रिक और समाजवादी शक्तियों से मैं यह अपील करता हूं कि वे श्री मंडेला को शीघ्र से शीघ्र मुक्त कराने का प्रयास कर मानवता का मुख उज्जवल करें। रंगभेदी दक्षिण अफ्रीकी सरकार का पतन अनिवार्य है। सवाल यह है कि उसका पतन आज होता